14

कार्यालय

मुख्य मंत्री, उत्तर प्रदेश

लोक भवन, लखनऊ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संख्या .....

Non-I.G.R.S.

दिनांक .....

प्रमुख सचिव,
उच्च शिक्षा विभाग।

CB0007010172257

कृपया श्री सभाकुंवर कुशवाहा, मा० विधायक, भाटपार रानी जनपद-देवरिया के संलग्न प्रार्थना पत्र दिनांक 11.08.2025 का अवलोकन करने का कष्ट करें, जो देवरिया जनपद में विश्वविद्यालय बनाए जाने हेतु पं० दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा कथित रूप से भेजे गये तीन महाविद्यालयों के नाम पैनल पर पुनर्विचार करते हुए विश्वविद्यालय से मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भटपार रानी को सम्मिलित कराते हुए पुनः प्रस्ताव मंगाये जाने के सम्बन्ध में है। **यह पत्र मा० मुख्यमंत्री जी से मिलकर दिया गया हैं।**

मा० मुख्यमंत्री जी द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही किये जाने एवं कृत कार्यवाही से अवगत कराये जाने की अपेक्षा की गयी है।

संलग्नक-यथोक्त।

13-08-2025
(सूर्य पाल गंगवार)
सचिव, मुख्यमंत्री
उत्तर प्रदेश शासन।

सांसद एवं विधायक प्रकोष्ठ
मुख्यमंत्री कार्यालय
उत्तर प्रदेश शासन

सभाकुँवर कुशवाहा
विधायक, भाजपा
340 भाटपार रानी, देवरिया (उ.प्र.)
सदस्य, विकास एवं नियोजन स्थाई समिति
सदस्य, उपभोक्ता संरक्षण एवं खांट माप विभाग

निवास :
● शिव मन्दिर रोड, भाटपार रानी देवरिया, उत्तर प्रदेश
● 9/2 राजकीय कालोनी डालीबाग, लखनऊ
मो. 9919523489

क-7 No. 432914

पत्रांक_____ दिनांक 11.08.2025

मा० मुख्यमंत्री जी,
उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ।

निवेदन के साथ अवगत कराना है कि प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी एक जनपद एक विश्वविद्यालय योजना के अन्तर्गत देवरिया जनपद में एक विश्वविद्यालय के निर्माण हेतु शासन द्वारा पं0. दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर से जनपद के तीन महाविद्यालयों के नाम का प्रस्ताव मांगा गया था। समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा देवरिया जिले में विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने हेतु जिला मुख्यालय पर स्थित एक शासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय सहित सुदूर ग्रामीण अंचलों में स्थित दो निजी महाविद्यालयों का नाम भेजा गया है, जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है. जिन निजी महाविद्यालयों का नाम इस पैनल में भेजा गया है ये न तो रेलमार्ग से जुड़े हैं और न ही यहां पहुँचने के लिए सडक यातायात की ही समुचित व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त उन महाविद्यालयों में विश्वविद्यालय का दर्जा पाने हेतु आवश्यक संसाधन या बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं है।

महोदय। मेरे विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय भाटपार रानी में स्थित मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भाटपार रानी सन 1960 के दशक में स्थापित पूर्वांचल में लोक विख्यात शासकीय सहायता प्राप्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय है, जो रेलमार्ग के साथ साथ सडक यातायात से भी हर दिशाओं से जुडा हुआ है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के शैक्षिक परिदृश्य में मदन मोहन मालवीय पी.जी. कॉलेज, भाटपार रानी एक प्रतिष्ठित नाम है। यह कॉलेज न केवल देवरिया जनपद बल्कि बिहार के सीमावर्ती जिलों के हजारों छात्रों की पहली पसंद रहा है। भौगोलिक स्थिति, शिक्षण व्यवस्था, यातायात की सुलभता और जन आस्था को देखते हुए यह संस्थान लंबे समय से विश्वविद्यालय बनने की पात्रता रखता है।

गोरखपुर विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालय बनाए जाने के लिए देवरिया जिला मुख्यालय के गोरखपुर मार्ग पर स्थित एक शासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालय का नाम शासन को प्रेषित किया गया है जबकि देवरिया शहर के निवासियों के लिए गोरखपुर स्थित पं0 दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सहज सुलभ है. यही

P.T.O

सभाकुँवर कुशवाहा
विधायक, भाजपा
340 भाटपार रानी, देवरिया (उ.प्र.)
सदस्य, विकास एवं नियोजन स्थाई समिति
सदस्य, उपभोक्ता संरक्षण एवं वांट माप विभाग

निवास :
- शिव मन्दिर रोड, भाटपार रानी देवरिया, उत्तर प्रदेश
- 9/2 राजकीय कालोनी डालीबाग, लखनऊ
मो. 9919523489

क-7 No. 432913

पत्रांक.....

दिनांक 11.08.2025

जिले के अंतिम छोर पर बसे भाटपार रानी क्षेत्र और सीमावर्ती बिहार के छात्रों के लिए मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपार रानी सर्वोत्तम विकल्प है। मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपार रानी एक सशक्त बुनियादी ढांचे, पर्याप्त भूमि और क्षेत्रीय पहुंच के साथ विश्वविद्यालय स्तर की जरूरतें पहले से ही पूरी करने में सक्षम है। ऐसी दशा में शासन द्वारा इस महाविद्यालय को ही देवरिया जनपद का विश्वविद्यालय बनाया जाना हर प्रकार से उचित होगा।

अतः कृपया देवरिया जनपद में विश्वविद्यालय बनाए जाने हेतु पं० दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा कथित रूप से भेजे गये तीन महाविद्यालयों के नाम के पैनल पर पुनर्विचार करते हुए विश्वविद्यालय से मदन मोहन मालवीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भाटपार रानी को सम्मिलित कराते हुए पुनः प्रस्ताव भेजवाकर पूर्वांचल के गौरव माने जाने वाले इस लब्धप्रतिष्ठित महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें। इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाए जाने से प्रबल जनाकांक्षाओं की पूर्ति होगी तथा एक बड़ी आबादी और विस्तृत भौगोलिक परिक्षेत्र को सहूलियत होगी। सधन्यवाद।

भवदीय,

सादर।

(सभा कुँवर कुशवाहा)